पाठ 11. पटना की सैर

पाठ की भूमिका

इस पाठ में ऐतिहासिक स्थल पटना का वर्णन है। पत्र व्यवहार के माध्यम से अपरिचित परिस्थितियों में जीवन को समझने का कौशल विकसित करना ही इस पाठ का उद्देश्य है।

पाठ का सार

हरप्रीत अमनदीप को पटना शहर के बारे में बताता है। वह यह भी बताता है कि गंगा नदी के किनारे बसे इस शहर का प्राचीन नाम पाटलिपुत्र था। वह गोलघर, तारामंडल और गुरु गोबिंदसिंह जी के बारे में भी उसे बताता है। हरप्रीत चाहता है कि अमनदीप जब पटना आए तो उसे कई जगहों पर वह घुमाने के लिए ले जाए।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  यह पाठ मूलत: एक पत्र है। इस पाठ के माध्यम से पत्र के अंगों जैसे–पत्र भेजने वाले का नाम, उसका स्थान, तिथि, आदि से बच्चों का परिचय कराएँ। पत्र का केंद्र-बिंदु 'पटना शहर' है। इस शहर के बारे में रोचक जानकारी दें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या** 10 देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - शब्द के रूपों से बच्चों का परिचय कराएँ। वचन की परिभाषा देने से बचें। उलटे अर्थ वाले शब्दों के बारे में उदाहरण देकर समझाएँ। अभ्यास में दिए गए शब्दों के अतिरिक्त अन्य शब्द भी पूछे जा सकते हैं।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - पत्र लिखने से लेकर उसके गंतव्य स्थान तक पहुँचने की यात्रा को चित्र के माध्यम से दर्शाया गया है। इस चित्र के बारे में बच्चों को समझने व उसका वर्णन करने में सहायता करें।